विद्या आश्रम
कार्य योजना 2019 – 20

पिछले कई वर्षों से किये जा रहे कार्यों और विचारों की प्रगति के सिलसिले को ही आगे बढ़ाते हुए यह कार्य योजना बनाई गई है. हर कार्यक्रम के साथ संक्षेप में कार्य के बारे में जानकारी है और प्रमुख रूप से ज़िम्मेदार व्यक्तियों के नाम दिए गए हैं.

1. कारीगर-किसान पंचायत -लक्ष्मण प्रसाद, आलम भाई, सुनील

   कारीगर और किसान समाजों के बीच कार्यरत संगठनों, नेताओं और कार्यकर्ताओं से व्यापक वार्ताओं के जरिये ये पंचायतें संगठित की जाएँगी. इनमें ज्ञान के क्षेत्र में लोकविद्या को बराबरी का स्थान और सरकारी कर्मचारी जैसी पक्की और नियमित आय प्रमुखरूप से विचार, संगठन व संघर्ष का विषय होगा. देश में कहीं से भी हो रहे ऐसे कार्यों के बीच समन्वय व तालमेल बनाने का काम विद्या आश्रम और देश में फैले इसके सहयोगी करेंगे.

2. कारीगर नज़रिया - प्रेमलता सिंह, चित्रा, एहसान अली

   कारीगर नजरिया का प्रकाशन लगभग दो माह में एक बार की दर से किया जायेगा. इसे मंच के रूप में संपर्क बनाने और संवाद के लिए भी इस्तेमाल किया जायेगा.

3. लोकविद्या जन आन्दोलन : सुनील, कृष्णराजुलु, सुरेश, गिरीश, नारायणराव, कौल

   - दुनिया भर के लोक-ज्ञान आन्दोलनों के बीच भाईचारा की पहल (Global Fraternity of People's Knowledge Movements)
   - लोकविद्या समाज के संघर्षों में उपस्थिति और उनसे वार्ता
   - प्रकाशन : अलग-अलग जगहों से वहां की भाषा में साहित्य निर्माण और प्रकाशन, लोकविद्या प्रपंचम,
   - लोकविद्या जन आन्दोलन ब्लॉग : Lokavidyajanandolan.blogspot.com

4. दर्शन अखाड़ा : - सुनील, गोरखनाथ, अविनाश, सुरेश

   गोरखनाथ गाँधी विद्या संस्थान, राजघाट में पुस्तकालय में काम करते रहे. सुनील के पुराने साथी हैं और दर्शन अखाड़ा के पड़ोस में रहते हैं.

   दर्शन अखाड़ा से दर्शन संवाद के तहत ज्ञान दर्शन, संत परंपरा, कला दर्शन और पंचायत व स्वराज दर्शन पर कार्य होंगे और इसके तहत निम्नलिखित कार्यों से शुरुआत होगी.

   - एक पुस्तकालय का निर्माण - गोरखनाथ, अविनाश झा
   - वार्ताएं, कला प्रस्तुति, सभा
   - दर्शन अखाड़ा ब्लॉग : darshanakhadablog.wordpress.com

- वाराणसी के सन्दर्भ में ज्ञान तीर्थ तथा ज्ञान पर्यटन का विचार और कार्य
- त्याग–ज्ञान उत्सव, अश्विन पूर्णिमा, राजघाट, वाराणसी. यह उन ज्ञान परम्पराओं के समन्वय मेले के रूप में होगा जो त्याग को ज्ञान का अविच्छेद्य अंग मानती हैं.

5. कला साधना : - चित्रा, सुरेश, प्रसन्ना

- आश्रम पर एक कला स्थान का निर्माण. यह रियाज़, सृजन, प्रस्तुति, प्रदर्शनी, संवाद और प्रशिक्षण को ध्यान में रखकर बनाया जायेगा.
- बंगलुरु में प्रसन्ना जी द्वारा रागी कणा से किये जा रहे कार्यों में कला दृष्टि के नेतृत्व का अर्थ समझना. लोकविद्या आन्दोलन और कला दर्शन के कोण से दुनिया को समझने और उसमें परिवर्तन के लिए कार्य करने के बीच सेतु बनाना.

6. प्रकाशन - चित्रा, सुनील, अमित, सिवरामकृष्णन, नरेश

- सबको पक्की आय... पुस्तिका का पुनर्लेखन एवं प्रकाशन
- लोकविद्या पर एक हिंदी पुस्तक का प्रकाशन
- पंचायत के विचार और जारी सांगठनिक प्रक्रियाओं पर पुस्तक : ज्ञान पंचायत, लोकविद्या पंचायत, स्वराज पंचायत, सामाजिक पंचायत, ग्राम पंचायत, खंड विकास परिषद्, जिला पंचायत, बाज़ार पंचायत इत्यादि के सन्दर्भ लेते हुए पंचायत के विचार के जरिये भारत और विश्व के नैतिक और न्यायसंगत भविष्य पर विचार.
- स्वराज पुस्तकमाला में और पुस्तिकाएं प्रकाशित होंगी.

7. इन्टरनेट : - अभिजित, अमित

- वेबसाइट, ब्लॉग, ट्विटर, फेसबुक, यू-ट्यूब
- विद्या आश्रम से समय-समय पर इन्टरनेट पर किया जाने वाला संवाद. जैसे लोक ज्ञान आंदोलनों के वैश्विक भाईचारा पर.